

जिला क्रीड़ा अधिकारी,
देहरादून।

विषय:- जनपद-देहरादून में भारविद्यन स्कूल के सत्रीय विधिल सर्वोच्च इंस्टीट्यूट (मुख्य भवन की छोटकर) धनावदन के सम्बन्ध में।

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-132/VI-1/2006 दिनांक 24 मार्च, 2006 की छायाप्रति इस आशय से संलग्न कर प्रेषित की जा रही है कि वित्त विभाग टी.ए.सी. द्वारा औचित्यपूर्ण धनराशि रु. 59.80 लाख के सापेक्ष इस वित्तीय वर्ष 2005-2006 में प्राविधानित धनराशि रु. 25.00 लाख (रु. पच्चीस लाख मात्र) निम्नलिखित शर्तों के अधीन आवंटित की जाती है।

1. आगमन में उल्लिखित दरों का विशलेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शङ्क्युल आक रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गयी हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक है।

II. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधानित स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधानित स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।
III. कार्य पर उत्तना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

IV. एकमुश्त प्राविधान को कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

V. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीक दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विश्लेषणों के अनुकूल ही कार्य को सम्पादित कराने समय पालन सुनिश्चित करें।

VI. कार्य कराने से पूर्व स्थल का भूमीमालि निरीक्षण टिप्पणी के अनुकूल कार्य किया जाय।
VII. आगमन में निम्न मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दृश्यी मद में कदापि व्यय न किया जाय।

VIII. निर्माण सामग्री प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जानी वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मिलव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने के लिए बजट में अनुमति प्राप्त या वित्तीय हस्त-पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने चाहिए। व्यय में मिलव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मिलव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जाँची किये गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3. स्वीकृत धनराशि उसी मद में व्यय की जायेगी जिस मद के लिए स्वीकृत की जा रही है।

4. किसी भी मद में व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त-पुस्तिका, बजट में अनुमति, मण्डार कय नियत तथा मिलव्ययता सम्बन्धी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया

जाय। उपकरणों का क्रय डी.जी.एस. एण्ड डी. की दरों पर किया जायेगा और यह दरें न होने की स्थिति में टैन्टर/कोटेशन विशेषक नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

5. उक्त धनराशि के पूर्ण उपयोग एवं कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण देने के बाद ही आगामी अवशेष धनराशि अवमुक्त की जायेगी।

6. उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2005-2006 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाधीनक 4202-विशेषा खलकंद तथा संस्कृति पर पुंजीगत परिव्यय (क्रमशः)-03-खलकंद तथा युवक सेवा खलकंद स्टेडियम-102-खलकंद स्टेडियम (लघुशीर्षक 108 के स्थान पर) आयोजनागत-00-06-सिविल सर्विसेज संस्थान की स्थापना-24-वृहत् निर्माण कार्य मानक मद के नाम डाला जायेगा।

अतः आप उक्त स्वीकृत धनराशि 25.00 लाख (क. पच्चीस लाख मात्र) नियमानुसार आहरित करते हुये अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., देहरादून को उपलब्ध कराते हुये अधोस्त्राक्षरी को भी अवगत कराये तथा कार्यदायी संस्था द्वारा व्यय की गयी धनराशि का उपयोजिता प्रमाण पत्र एवं भौतिक प्रगति की सूचना निदेशालय को उपलब्ध करायी जायेगी।

उक्त बजट, बजट कर्तृत पत्रिका पृष्ठ 127 & 128 पर अधिकत कर लिया गया है।

संलग्न-उपरोक्तानुसार।

संख्या एवं तिथि तदैव।

प्रतिनिधि-निर्माणाधीन को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।

2. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री जी उत्तरांचल।

3. निजी सचिव, मा. खेल एवं युवा कल्याण मंत्री जी, उत्तरांचल।

4. प्रमुख सचिव खेल, उत्तरांचल शासन।

5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।

6. अपर सचिव, वित्त, उत्तरांचल शासन।

7. जिलाधिकारी, देहरादून।

8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।

9. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय, देहरादून।

10. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।

11. अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., देहरादून।

12. वित्त व्यय नियन्त्रण अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन, देहरादून।

13. गार्ड फाईल।

(अभिषेक आवास्तव)
निदेशक खेल

भवदीय

(आर.के. वर्तुणी)
अपर निदेशक खेल,
उत्तरांचल, देहरादून

270306004